प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 38 अंक 3 जुलाई 2014

इस अंक में

संवाद 3

लेख

1. पाठ्यपुस्तकों से परे सीखना-सिखाना — कविता शर्मा — 7
2. स्मृतियों के यथार्थपरक आख्यान — शारदा कुमारी — 13
3. स्कूल का समाजशास्त्र — उषा शर्मा — 19
4. स्कूल और भाषायी व्यवहार — लता पाण्डे — 25
5. स्कूल की शिक्षण परिधि – चिंतन और संस्मरण — मीनाक्षी खार — 30
6. क्रियाकलापों के माध्यम से भौगोलिक संकल्पनाओं का संप्रेषण – एक सार्थक प्रयास — अपर्णा पाण्डे — 34
7. कुछ अनुभव पढ़ने-पढ़ाने के — पद्मा यादव — 40
8. कुछ समझदार बच्चे और कुछ नासमझ बड़े — अक्षय कुमार दीक्षित — 48

शोध

9. इतिहास की कक्षा से – एक अनुभव — सीमा एस.ओझा — 55
10. केंद्रीय विद्यालय, कहलगाँव – एक केस अध्ययन — संजय कुमार सुमन — 62

परख 71

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी NCERT

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं–
(i) अनुसंधान और विकास,
(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।
यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।
उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है–
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

विशेष

11.	सफ़लता के सोपान	कृष्णकांत वशिष्ठ	72

पठनीय

12.	अध्यापक – सिल्विया एश्टन वॉरनर	रंजना	76

बालमन कुछ कहता है

13.	जब मेरे अध्यापक पहली बार कक्षा में आए	चंदन कुमार	82
14.	कक्षा अध्यापक	नवल किशोर	83

कविता

15.	मन चाहता है	सचिन	84
16.	सज़ा	रेखा चमोली	